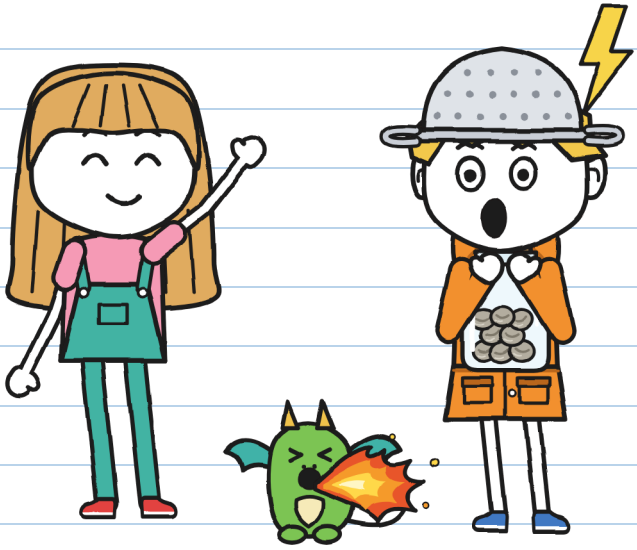
नामुमकिन डिलीवरी · 2

बादल गरजने से पहले न खोलें

Lui Eriksson



(गुनी की डायरी)

साइज़ S
शुरुआती स्तर · 7+

नामुमकिन डिलीवरी · 2
बादल गरजने से पहले न खोलें

लेखन और चित्र: Lui Eriksson

साइज़ S · शुरुआती स्तर · 7+

हिन्दी संस्करण: LinguAula

पहला संस्करण: 2026

© 2026 Lui Eriksson · info@linguaula.com

कक्षा और घर के लिए खुलकर फ़ोटोकॉपी कर सकते हैं।

सीरीज़ की दूसरी किताब। पहली: "यह पार्सल काटता है"।

LinguAula

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो

इस किताब को लिखने के दौरान किसी भी गरज को चोट नहीं पहुँची। –ज.



और किसी और की नहीं। –ज.

अगर यह तुम्हें मिल जाए, तो बादल गरजने से पहले मत खोलना।

सिर्फ़ कहानी में

यह मुहर उसे चिह्नित करती है जो सिर्फ़ कहानी में होता है: तुम इसे मत करना। अगर वह कई पन्नों तक चले, तो "यहाँ से" और "यहाँ तक" लिखा होता है। असली तूफ़ान हो, तो पेज 76 देखो। –ज.

कौन कौन है



गुनी। शनिवार का डिलीवरी बॉय। तूफ़ान का शिकारी (कुछ-कुछ)। यह डायरी उसी की है।



जूलिता। बिजली चमकने और बादल गरजने के बीच के सेकंड गिनती है। हरे रंग से लिखती है और "ज." से दस्तख़त करती है।



चूरा। ड्रैगन की बच्ची। गुनी की हर बात की नक़ल उतारती है। हर बात की।



टोन्यो। साइकिल पर "बिजली" के लिए डिलीवरी करता है। दस मिनट में या मुफ़्त।



फ़्लोरा। नहर वाली सड़क, १ की बाग़बान। पत्थरों के लिए दस्तख़त नहीं करतीं।



वेरा। ड्रैगनों के घर में ड्रैगनों की देखभाल करती है, जो फ़्लोरा के घर के बग़ल में है। चूरा उन्हीं के साथ रहती है।



मारा। नामुमकिन डिलीवरी की मालकिन। जादूगरनी वाली टोपी पहनती है। जितना बताती है, उससे ज़्यादा जानती है।



R. की तरफ़ से वे पार्सल भेजे जाते हैं जिन्हें कोई नहीं पहुँचा पाता। कोई उसका नाम नहीं लेता।

डिलीवरी डायरी 2
गुनी की

ऑफ़िशियल।

"ऑफ़िशियल": इसे पहले मैं पढ़ूँगी। ऑफ़िशियली। –ज.



डायरी नंबर 1 ख़त्म हो गई: वह भर गई है। यह नई डायरी मुझे मारा ने दी, जो दुकान की मालकिन हैं। इस पर दुकान की मुहर लगी है। वे कहती हैं कि ऑफ़िशियल डायरी में चित्र नहीं बनाते। देखते हैं।

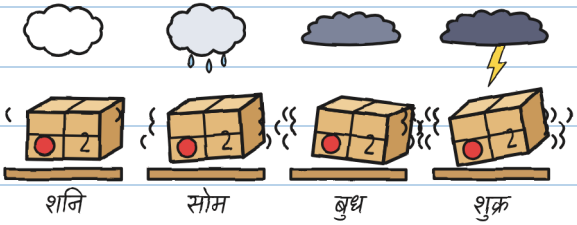
अध्याय 1

तूफ़ान का शिकारी

मारा की दुकान में एक पार्सल काँप रहा है। हर दिन थोड़ा ज़्यादा।
मैं इसे हाथ नहीं लगाऊँगा।
जो आख़िरी पार्सल जूलिता और मैंने पहुँचाया था, वह एक अंडा था। अब उसका नाम चूरा है, उसके पंख हैं और वह मेरी हर बात की नक़ल उतारती है।

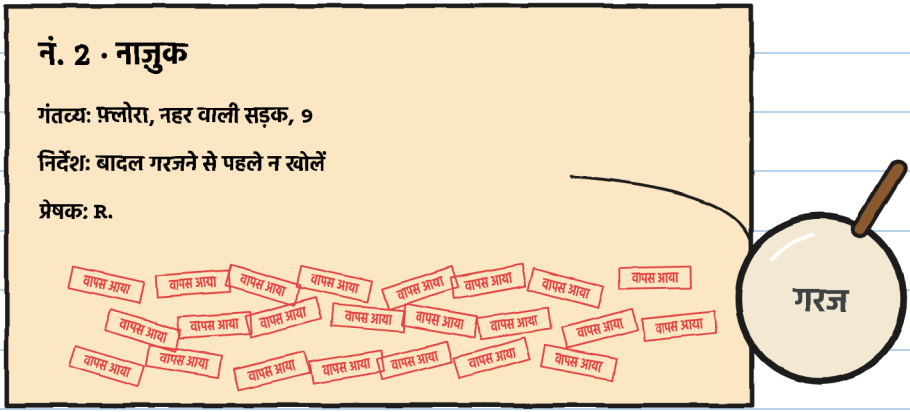
मेरे घर के सामने वाली दुकान में उन्नीस वापस आए पार्सल बाक़ी हैं। एक को बहुत जल्दी है।

थरथर-मीटर
नं. 2 का



डर नहीं है: तूफ़ान आ रहा है। शनिवार को, शाम छह बजे। मैंने मौसम की ख़बर छह बार देखी है। –ज.

वापस आया पार्सल हमेशा लौट आता है। जो उसे पाए, उसे लेबल पर कभी न मिटने वाली स्याही से दस्तख़त करने होते हैं, जैसी जूलिता के हरे मार्कर की है। वरना वह सुबह होते ही उड़कर अपने शेल्फ़ पर लौट जाता है। इन सबको एक ही व्यक्ति ने भेजा है: R.



नं. 2 पर तेईस "वापस आया" की मुहरें लगी थीं।

तेईस। मैंने दो बार गिना है। —ज.

"तेईस बार मैं इसे ख़ुद लेकर गई हूँ," मारा ने कहा। "और एक बार भी तूफ़ान में नहीं।"

शनिवार को, दस बजे, मारा नं. 2 के साथ हमारा इंतज़ार कर रही थीं। टोन्यो वहाँ था। हर शनिवार हम तीनों की सज़ा होती है, क्योंकि हमने नं. 1 बिना इजाज़त के पहुँचा दिया था। हम दुकान में मदद करते हैं।

"यह वाला," मारा ने कहा, "तुम लोग पहुँचाओगे। आज शाम को।"

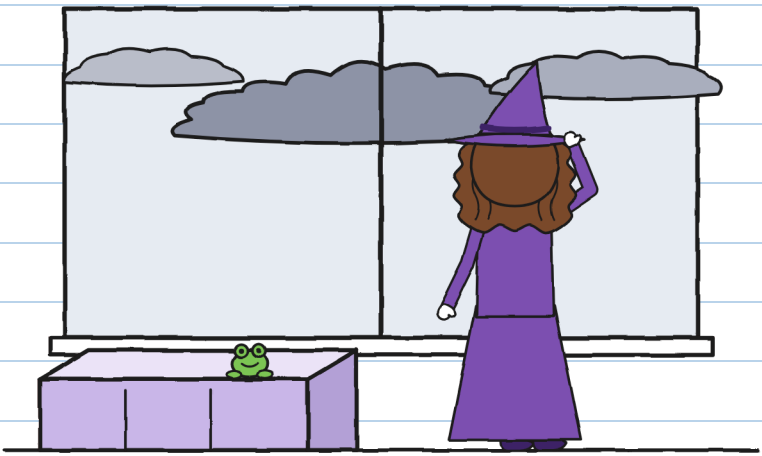


जूलिता बहुत ऊँची उछली। उसने "बाक़ी 19" का बोर्ड लगभग छू लिया।

मारा ने तीन शर्तें रखीं। उन्होंने उन्हें उँगलियों पर गिनाया:

1. तुम लोग पाँच बजे निकलोगे, तूफ़ान से पहले। तूफ़ान गुज़रने तक फ़्लोरा के घर पर रहोगे।
2. तुम्हारे घर वालों को पता है। फ़्लोरा को भी।
3. लेबल का नियम: बादल गरजने से पहले मत खोलना। ऊपर वाली गरज चलेगी; दूर वाली नहीं।

"और आप नहीं आ रहीं?" जूलिता ने पूछा।
"मुझे यहाँ कुछ काम हैं," मारा ने कहा। और उन्होंने खिड़की से बाहर देखा: आसमान स्लेटी हो रहा था।



कौन-से काम? –ज.

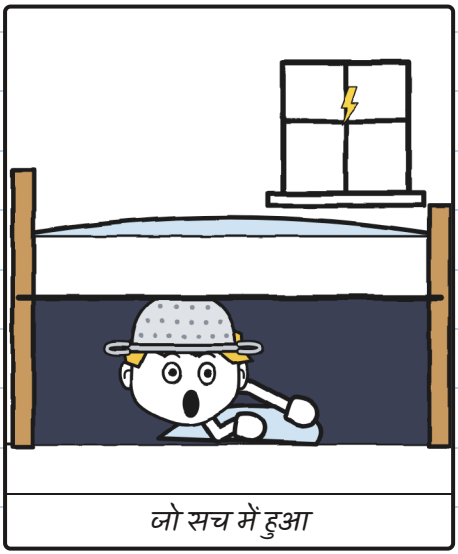
तभी जूलिता ने मुझे देखा।
"तुम्हें तूफ़ान पसंद हैं?"

और मैंने वही कहा जो ऐसे में सब कहते हैं:

"बहुत पसंद हैं। अपने दूसरे मोहल्ले में मैं प्रोफेशनल तूफ़ान का शिकारी था।"



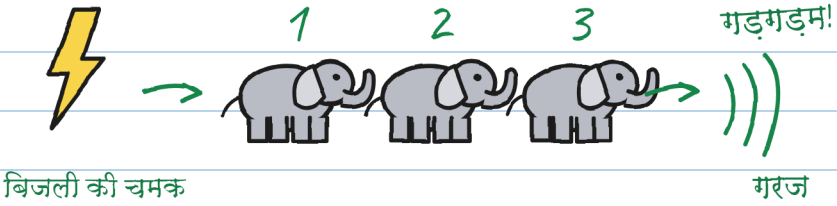
मैंने जो कहा



जो सच में हुआ

पलंग के नीचे का प्रोफेशनल। –ज.

जूलिता ने मुझे तूफ़ान गिनना सिखाया। मेरी डायरी में।
बिना इजाज़त, हमेशा की तरह:



एक हाथी, दो हाथी, तीन हाथी...

1 हाथी = 1 सेकंड

3 हाथी = 1 किलोमीटर (लगभग)

0 हाथी = ठीक ऊपर!

↖ यह लेबल वाली गरज है।
दूर वाली गरज पार्सल नहीं खोलती।

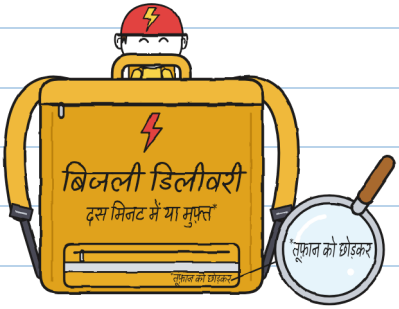
ज़्यादा हाथी: वह बिजली और दूर गिरी।

अगर तुम्हें गरज सुनाई दे, चाहे दूर ही क्यों न हो: अंदर चलो!

जो पता हो, उससे कम डर लगता है। –ज.

मुझे इसकी ज़रूरत नहीं थी: मुझे तो तूफ़ान बहुत पसंद हैं।
फिर भी मैंने लिख लिया, कहीं काम आ जाए।

टोन्यो ने मेरे कंधे के ऊपर से लेबल पढ़ा।
"'बिजली' तूफ़ान में डिलीवरी नहीं करती।"
उसने हमें बैग के छोटे अक्षर दिखाए।
"अभी तूफ़ान नहीं है," जूलिता ने कहा।
टोन्यो ने फिर देखा। "अभी" का कहीं ज़िक्र नहीं था।

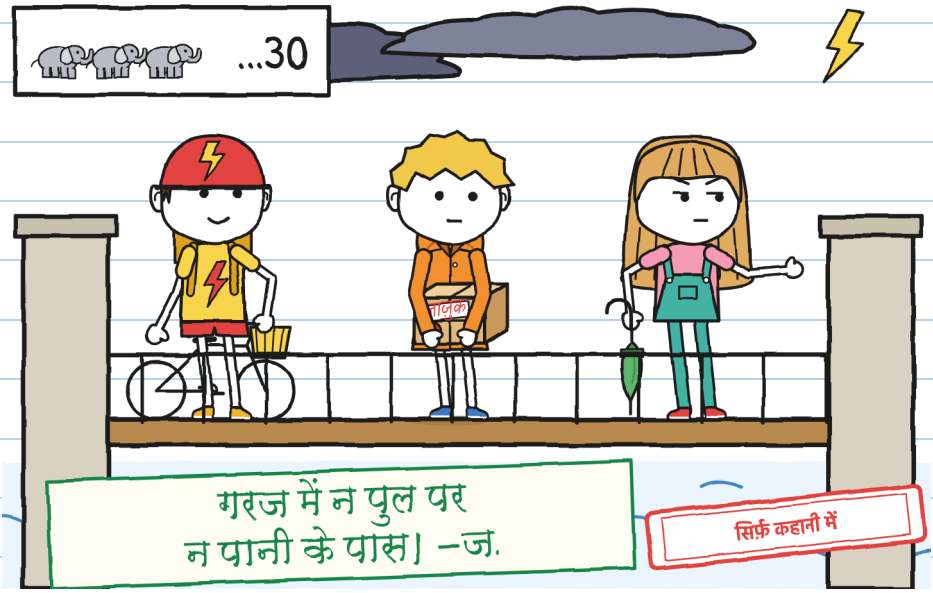


छोटे अक्षर बहुत ही छोटे थे। –ज.

और वह हमारे साथ आ गया।
पाँच बजे मैं रेनकोट लेने घर गया।
"नारंगी वाला पहनो," मम्मी ने दरवाज़े से कहा। "पक्का जाओगे? तुम तो जब बादल गरजते हैं..."
"बाय, मम्मी!"

"तुम तो जब बादल गरजते हैं..." क्या? –ज.

हमने बड़ा पुल पार किया। रात को उसे जहाज़ों के लिए उठा देते हैं। आसमान और काला होता जा रहा था। बीच में जूलिता ने पानी की ओर हाथ हिलाया। बहुत गंभीर चेहरा बनाकर। नहर और उसकी बनती नहीं।



बहुत दूर आसमान चमक उठा। जूलिता ने तीस हाथी गिने। गड़गड़म।

"वह बिजली करीब दस किलोमीटर दूर गिरी," उसने कहा। "मौसम की ख़बर में तूफ़ान छह बजे के लिए है।"

"बादल गरजा!" टोन्यो बोला। "अब खोलें?"

"यह वाली गरज पार्सल नहीं खोलती," जूलिता ने कहा।
"लेबल वाली गरज बिजली की चमक के साथ ही आती है: शून्य हाथी। पर यह अब सुनाई दे रही है: अंदर चलो!"
हम नहर वाली सड़क तक भागे। मैंने ऐसा दिखाया जैसे मुझे कुछ सुनाई ही नहीं दे रहा।

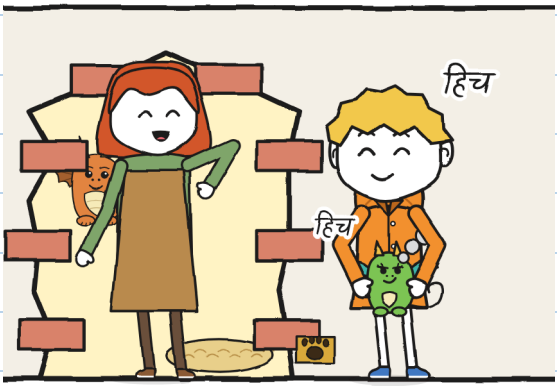
"क्या यह हिच थी?" जूलिता ने पूछा।
"नहीं," मैंने कहा। "हिच!"



यह मुझे बचपन से होता है, सिर्फ़ गरज पर। हर गरज पर बहुत सारी हिचकियाँ लगातार। हर तीन सेकंड में एक। तूफ़ान सिर पर हो तो रुकती नहीं। यह डर नहीं है। मेरा शरीर अपने आप करता है। मुझसे पूछे बिना।

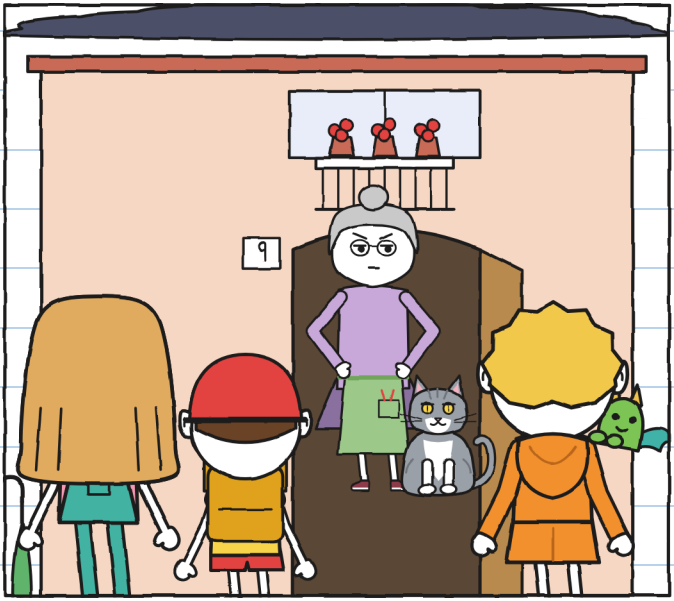
इसे डर कहते हैं। –ज.

वेरा अपने दरवाज़े पर हमारा इंतज़ार कर रही थीं, गोद में चूरा को लिए। शनिवार को चूरा मेरे साथ घूमने जाती है।
"आज सिर्फ़ फ़्लोरा के घर तक: यह उसका पहला तूफ़ान है," वेरा ने कहा और उसे मुझे दे दिया। "यह तुम्हारी हर बात की नक़ल उतारती है, गुनी। जो तुम महसूस करते हो, उसकी भी। अगर यह डर जाए, तो इसे खींचना मत: यह पकड़ लेती है। तूफ़ान गुज़र जाए, तो आँगन की दीवार पर तीन बार थपथपाना, मैं आ जाऊँगी।"
"मुझे कुछ महसूस नहीं होता," मैंने कहा। "मुझे तो तूफ़ान बहुत पसंद हैं।"



दूर कहीं बादल गरजा। मैंने हिच किया। चूरा ने हिच किया। उसकी नाक से धुआँ निकला।
"अंदर चलो, अभी!" वेरा ने कहा।

फ़्लोरा का घर वही है जिसकी बालकनी में गमलों के फूल खिले हैं। दो शनिवार पहले वे उसी बालकनी से हमें देख रही थीं। हम ड्रैगनों के घर का दरवाज़ा ढूँढ रहे थे। वह दीवार जैसा दिखता है।



फ़्लोरा ने दरवाज़ा खोल दिया। हमें दस्तक देने का समय ही नहीं मिला। उन्होंने डिब्बे को देखा। आसमान को देखा। चूरा को देखा।

"यह वेरा की बच्ची है। देखना, मेरे फ़र्न न जला दे," उन्होंने कहा। "आ जाओ अंदर, पानी आने वाला है। बता दूँ: मैं पत्थरों पर दस्तख़त नहीं करती।"

एक कहानी, छह साइज़

इसके छह साइज़ हैं, 3 से 16 साल तक, और 20 से ज़्यादा भाषाएँ। XXS, XS, S, M और L में वही पन्ने और वही चित्र हैं। XL एक उपन्यास है। बदलता बस इतना है कि कहानी कैसे सुनाई जाती है।

साइज़ XXS · PRE-A1
लूलिता सातवाँ बीज पकड़ लेती है।

साइज़ XS · A1
फ़र्श पर एक बीज बचा था। लूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।

साइज़ S · A2
फिर बिजली चमकी: फ़र्श पर सिर्फ़ एक बीज बचा था। लूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।

साइज़ M · B1
अगली चमक में सिर्फ़ एक बीज बचा था, और लूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।

साइज़ L · B2
जब बिजली फिर चमकी, तो फ़र्श पर सिर्फ़ एक बीज बचा था, और लूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।

साइज़ XL · B2–C1
सचित्र उपन्यास · 13+
CEFR के स्तर केवल मार्गदर्शन के लिए हैं।

हर कोई अपने साइज़ में। तूफ़ान वही। —ज.

परिवारों और शिक्षकों के लिए

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो